3rd Term Worksheet [2018 – 19]

Subject - Hindi

Class - VI

Name : **Sec. :**

[Hindi Language]

पाठ – 10
(क्रिया–विशेषण)

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **(पृष्ठ सं0 51)**

क. क्रिया–विशेषण किसे कहते है? उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ख. क्रिया–विशेषण के कितने भेद होते हैं? उनके नाम लिखकर किन्हीं दो को परिभाषित करो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

ग. विशेषण और क्रिया–विशेषण में क्या अंतर हैं? उदाहरण द्वारा स्पष्ट करो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. निम्नलिखित वाक्यों से क्रिया–विशेषण चुनकर उनके भेद बताओ– **(पृष्ठ सं0 51)**

वाक्य		**क्रिया–विशेषण**	**भेद**
क.	वह कल मुझे मिलेगा।	....	....
ख.	सारा सामान यहाँ–वहाँ बिखरा है।	....	....
ग.	संभवतः वह चला गया होगा।	....	....
घ.	वह बहुत पैसा कमाना चाहती है।	....	....
ङ.	यह काम धीरे–धीरे करो।	....	....
च.	पतंग ऊपर उड़ रही है।	....	....
छ.	स्वयं से भी थोड़ा अभ्यास करो।	....	....

3. **दिए गए क्रिया–विशेषण शब्दो से रिक्त स्थान भरो–** **(पृष्ठ सं0 52)**

प्रतिदिन, अचानक, बार–बार, दूर, सर्वत्र, कम, लगातार

क. मेरा घर .... है।

ख. किसका फ़ोन .... आ रहा है।

ग. वह .... गिर पड़ा।

घ. ईश्वर .... है।

ङ. बच्चा .... रो रहा था।

च. बेटी .... खाती है।

छ. हमें .... पढ़ना चाहिए।

3. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– **(पृष्ठ सं0 52)**

क. जो शब्द घटना घटित होने के ढंग का ज्ञान कराते हैं, वे कहलाते हैं–

अ. परिमाणवाचक क्रिया–विशेषण ☐ ब. रीतिवाचक क्रिया–विशेषण ☐

ख. जो क्रिया की विशेषता बताएँ, उन्हें कहते हैं–

अ. विशेषण ☐ ब. क्रिया–विशेषण ☐

ग. 'वह कम बोलती है' में क्रिया–विशेषण है–

अ. स्थानवाचक क्रिया–विशेषण ☐ ब. परिमाणवाचक क्रिया–विशेषण ☐

घ. 'ईश्वर चारों ओर हैं' में कौन–सा क्रिया–विशेषण है?

अ. स्थानवाचक क्रिया–विशेषण ☐ ब. परिमाणवाचक क्रिया–विशेषण ☐

ङ. 'तेज़ी', 'जल्दी–जल्दी', 'धीरे–धीरे', 'अचानक' किस विशेषण से संबधित हैं?

अ. कालवाचक क्रिया–विशेषण ☐ ब. रीतिवाचक क्रिया–विशेषण ☐

<u>विलोम शब्द</u>

उच्च	....	उचित	....
उत्तीर्ण	....	उदार	....
उपयोग	....	कर्कश	....
कुटिल	....	खरा	....
गुरु	....	चिरायु	....
जंगम	....	तीव्र	....
धरा	....	परोक्ष	....
क्षणिक	....		

पर्यायवाची शब्द

रात ....

लहर ....

विष ....

शेर ....

हाथ ....

अग्नि ....

अहंकार ....

इच्छा ....

उन्नति ....

किनारा ....

कष्ट ....

घर ....

तलवार ....

चालाक ....

धन ....

पुत्र ....

पुत्री ....

माता ....

सूर्य ....

चंद्रमा ....

सुंदर ....

नदी ....

नारी ....

कृष्ण ....

संसार ....

पत्र

छात्रवृत्ति हेतु प्रार्थना पत्र

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

निबंध

दहेज प्रथा

निबंध

समय का सदुपयोग

शब्दों के सही रूप

ग्रहस्थ	....	त्रिस्कार	....
विमारी	....	निरपराधी	....
जनम	....	तरक	....
समुंदर	....	त्यार	....
उज्जवल	....	समृति	....
आग्या	....	शरन	....
लावण्यता	....	त्रितीय	....
श्रृजन	....	भावुक्त	....
पैंसल	....	गियान	....
बुदधिमान	....	हिरदय	....

पाठ – 17

(विराम चिह्न)

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **(पृष्ठ सं0 82)**

क. विराम चिह्न किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

ख. प्रश्नवाचक और विस्मायादिबोधक चिह्नों का प्रयोग कब होता है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ग. पूर्ण विराम और अल्प विराम में क्या अंतर है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

2. **निम्नलिखित के लिए किन विराम चिह्नों का प्रयोग किया जाता है?** **(पृष्ठ सं0 82)**

क. उद्धरण चिह्न – ....

ख. अर्द्ध विराम – ....

ग. विस्मायादिबोधक – ....

घ. लाघव चिह्न – ....

ङ. त्रुटिपूरक / हंसपद चिह्न – ....

च. योजक चिह्न – ....

3. **सही मिलान करो–** **(पृष्ठ सं0 82)**

क.	^	प्रश्नवाचक चिह्न
ख.	( )	अपूर्ण विराम
ग.	?	अर्द्ध विराम
घ.	;	उद्धरण चिह्न
ङ.	:	कोष्ठक
च.	" "	हंसपद चिह्न

वाक्यांश के लिए एक शब्द

जिसे पढ़ा न गया हो ....
जो इस लोक जैसा न हो ....
जिसकी आयु कम हो ....
जो दूसरों से ईर्ष्या करता हो ....
जो ऊपर कहा गया हो ....
जिसे करना कठिन हो ....
दर्शन करने वाला ....
घर बसाकर रहने वाला ....
जिसमें बल न हो ....
नष्ट होने वाला ....
जिसका कोई आकार न हो ....
जो कुछ न जानता हो ....
जिसका आचरण अच्छा हो ....
जो अपनी जाति का हो ....
जिसकी सहनशीलता अच्छी हो ....
पृथ्वी पर रहने वाला ....
जिसकी आशा टूट चुकी हो ....

अनेकार्थक शब्द

मद ....
मध ....
मुद्रा ....
रक्त ....
रंभा ....
रंग ....
रसाल ....
राशि ....
वर्ण ....
वन ....
विधि ....
वार ....
विहंग ....
शर ....
शरभ ....

चित्रलेखन/ कहानी

अपना कार्य

....

....

....

....

....

उच्चारण की असावधानी से अर्थ में भिन्नता

1.	देव	....	2.	द्विप	....
	दैव	....		द्वीप	....
3.	धन	....	4.	नीर	....
	धान	....		नीम	....
5.	निर्जर	....	6.	नारी	....
	निर्झर	....		नाड़ी	....
7	प्रकृत	....	8	प्रणय	....
	प्रकृति	....		परिणय	....
9.	भालू	....	10.	मनोज	....
	बालू	....		मनोज्ञ	....
11.	शुल्क	....	12.	सब	....
	शुक्ल	....		शव	....
13.	क्षति	....			
	क्षिति	....			

अपठित गद्यांश

1. एक महात्मा ने किसी भक्त की सेवाभाव से प्रसन्न होकर उसे सात दिन के लिए पारसमणि देकर कहा, ''इसे छूने से लोहा सोना हो जाता है। जितने सोने की ज़रूरत हो, बना लो। यह सात दिन बाद वापस ले ली जाएगी।''

भक्त बड़ा प्रसन्न हुआ कि अब मेरी सारी दरिद्रता दूर हो जाएगी, पर वह था बड़ा कंजूस। सस्ता लोहा बड़ी तादाद में ढूँढ़ने लगा। जिस दुकान पर वह गया, वहाँ उसकी समझ में लोहा थोड़ा था और मँहगा भी था। बहुत सस्ता और बहुत बड़ा ढेर ढूँढ़ने के लालच में वह कई नगरों में गया, पर उसे कहीं संतोष न हुआ। इसी भाग–दौड़ में सात दिन पूरे हो गए। मणि वापस ले ली गई और वह रत्ती भर भी सोना प्राप्त न कर सका। अधिक सयाने बनने वाले और अधिक कंजूस सदा घाटे में रहते हैं।

नीचे दिए गए सही विकल्पों के सामने सही (√) का चिह्न लगाओ– **(पृष्ठ सं0 106–107)**

क. महात्मा ने भक्त को पारसमणि देते हुए क्या कहा?

1. यह पारसमणि तुम ले लो।
2. इसे छूने से लोहा सोना बन जाता है। जितना चाहो सोनो बना लो। सात दिन बाद यह वापस ले ली जाएगी।
3. अधिक सोना मत बनाना।
4. इसे सात दिन तक अपने पास रखो।

ख. निम्नलिखित शब्द समूह में भिन्न को छाँटो–

1. लोहा
2. सोना
3. पारसमणि
4. चाँदी

ग. इस गद्यांश से हमें शिक्षा मिलती है कि–

1. अधिक सयाने बनने वाले व्यक्ति और कंजूस सदा घाटे में रहते हैं।
2. हमें कम में संतोष नहीं करना चाहिए।
3. पारसमणि मिलने पर उसे सँभालकर रखना चाहिए।
4. इससे दरिद्रता दूर हो जाती है।

घ. गद्यांश का उचित शीर्षक होगा–

1. लालची व्यक्ति 2. लालच नहीं करना चाहिए

3. लालच बुरी बला 4. संतोष

2. बगदाद के संत जुनैद अपने एक शिष्य को औंरो से ज़्यादा प्यार करते थे। शिष्यों ने शिकायत की। यह पक्षपात क्यों होता है? संत चुप हो गए। कई दिनों बाद उन्होंने अपने सभी शिष्यों को बुलाया और सबके हाथों मे एक–एक चींटी देते हूए कहा, ''इन्हें लकेर जाओ और ऐसी जगह मारकर आओ जहाँ कोई देख न रहा हो।'' शिष्य गए और ऐसे ही कहीं छिपकर अपना काम पूरा करके आए। पंरतु वह प्रिय शिष्य उस जीव को ज्यों का त्यों वापस ले आया और कहा, ''ऐसी काई जगह नहीं जहाँ अल्लाह न देखता हो।'' जुनैद ने कहा, ''तुम लोगों में से यह एक है जो ईमान और अल्लाह को पहचानता है, ऐसे ही लोग हैं जिन पर खुदा ही रहमत बरसेगी।'' ईश्वर के प्रति विश्वास रखने वालों से पापकर्म नहीं हो पाते।

नीचे दिए गए सही विकल्पों के सामने सही (√) का चिह्न लगाओ– **(पृष्ठ सं0 107)**

क. अन्य शिष्यों ने संत जुनैद से क्या शिकायत की कि आप–

1. शिष्यों को प्यार नहीं करते।
2. एक शिष्य को औरों से ज़्यादा प्यार करते हैं।
3. आप पक्षपात करते हैं।
4. एक शिष्य आप को प्यार करता है।

ख. इस गद्यांश से हमें शिक्षा मिलती है कि–

1. हमें पक्षपात नहीं करना चाहिए।
2. ईश्वर के प्रति विश्वास रखने वालों से पाप कर्म नहीं होते।
3. ईमान और अल्लाह को पहचानना चाहिए।
4. चीटियों को नहीं मारना चाहिए।

ग. निम्नलिखित शब्दों में से जो 'ईश्वर' का पर्याय नहीं है–

1. भगवान 2. परमात्मा

3. इंद्रदेव 4. परमेश्वर

घ. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक होगा–

1. चींटी 2. संत जुनैद

3. ईमान और अल्लाह 4. अल्लाह

<u>मुहावरे</u>

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य–प्रयोग कीजिए–

1. आसमान टूटना – ....

....

....

2. इतिश्री करना – ....

....

....

3. इंद्र की परी – ....

....

....

4. ईमान बेचना – ....

....

....

5. उँगली पर नाचना – ....

....

....

6. उड़ती चिड़िया पहचानना– ....

....

....

7. उल्लू बनाना – ....

....

....

8. एक ही लकड़ी से हाँकना – ....

....

....

9. एक की चार लगाना – ....

....

....

10. एक और एक ग्यारह होना – ....

....

....

<u>लोकोक्तियाँ</u>

निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर वाक्य–प्रयोग कीजिए–

1. घर की मुरगी दाल बराबर – ....

....

....

2. चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए – ....

....

....

3. चोर के पैर नहीं होते – ....

....

....

4. छोटे मुँह बड़ी बात करना – ....

....

....

5. जहाँ जाए भूखा वहाँ पड़े सूखा – ....

....

....

[Hindi Literature]

पाठ – 17

(माँ, कह एक कहानी)

1. शब्दार्थ –: (पृष्ठ सं0 57)

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
हठी	–	....	तात	–	....
सुरभि	–	....	रक्षी	–	....
वर्ण	–	....	विवाद	–	....
बिद्ध	–	....	सदैव	–	....
खर	–	....	उभय	–	....
शर	–	....	आग्रही	–	....
पक्ष	–	....	स्व	–	....
आखेटक	–	....	व्यापक	–	....
सिद्धि	–	....	निर्भय	–	....
आहत	–	....	भक्षक		

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (पृष्ठ सं090)

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''गाते थे खग सुमधुर स्वर में
सहसा एक हंस ऊपर से।''

क. कौन, किसको कहानी सुना रहा है?

उ0 ....

....

....

ख. कौन सुमधुर स्वर में गाते थे?

उ0 ....

....

....

....

ग. इस कविता में रचयिता कौन हैं?

उ0 ....

....

प्रत्यास्मरण

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (पृष्ठ सं091)

क. उपवन में बड़े सवेरे कौन भ्रमण करता था?

उ0 ....

....

....

ख. उपवन में कैसा वातावरण था?

उ0 ....

....

....

ग. हंस किसके तीर से घायल होकर गिरा?

उ0 ....

....

....

घ. आखेटक ने क्या कहा?

उ0 ....

....

....

....

ङ. अंत में हंस किसको प्राप्त हुआ?

उ0 ....

....

....

....

2. नीचे दिए गए सही कथन के सामने (√) और गलत कथन के सामने (×) का निशान लगाइए–(पृष्ठ सं0 91)

क. जो मारमा है, उसका शिकार पर अधिकार होता है। ☐

ख. राहुल माँ से कहानी सुन रहा है। ☐

ग. राहुल रानी यशोधरा का पुत्र था। ☐

घ. राहुल ने अपने पिता के पक्ष में मत दिया। ☐

3. दी गई पंक्तियों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए– **(पृष्ठ सं0 91)**

कोई निरपराध को मारे, तो क्या अन्य उसे न उबारे?

अर्थ– ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पाठ – 19
(नेकी का फल)

1. शब्दार्थ –: **(पृष्ठ सं0 100)**

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
अजनबी	–	....	निमिषभर में	–	....
तोहफ़ा	–	....	कुकर्म	–	....
आगंतुका	–	....	फर्ज़	–	....
आँखे डबडबाना	–	....	कृतज्ञता	–	....
विह्वल	–	....	पुरस्कार	–	....

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. **प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** **(पृष्ठ सं0100)**

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''घर लौटते हुए उसका मन बड़ा आनंदित हो रहा था। उसने सोचा यदि मैंने लिफ़ाफ़ा रख लिया होता, तो मेरी आत्मा मुझे धिक्कारती। शायद भगवान ने मेरी परीक्षा ली थी।''

क. उपर्युक्त विचार किसके मन में उठ रहे थे?

उ0 ....

....

ख. उसने लिफ़ाफ़ा किसे दे दिया था?

उ0 ....

....

ग. उसे पैसों की आवश्यकता क्यों थी?

उ0 ....

....

....

....

घ. यदि उसने लिफ़ाफ़ा रख लिया होता तो क्या होता?

उ0 ....

....

....

....

प्रत्यास्मरण

1. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** **(पृष्ठ सं0100)**

क. लिल मिलर ने तोहफ़े के लिए कारवास्की को ही क्यों चुना?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. कारवास्की किस शहर में, किन परिस्थितियों में रह रहा था?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. लिल मिलर वापस कुछ और तोहफ़े देने क्यों आईं?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. पाठ में आए दो पात्रों– लिल मिलर और कारवास्की में से आपको कौन अच्छा लगा? उसकी चरित्रगत विशेषताएँ लिखिए।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

ङ. लिल मिलर ने कहानी के अंत में अपने आँसू पोंछते हुए क्या कहा था?

उ0 ....

....

....

....

....

....

2. नीचे दिए गए सही कथन के सामने (√) और गलत कथन के सामने (×) का निशान लगाइए–(पृष्ठ सं0 101)

क. कारवास्की को बैंक के पास एक खाली लिफ़ाफा मिला। ☐

ख. कारवास्की ने उस लिफ़ाफे को रख लिया। ☐

ग. उसे अनायास ही धन्यवाद के रूप में अस्सी डॉलर मिले। ☐

घ. धन्य हैं वे लोग जो स्वार्थ में अंधे नहीं होते। ☐

पाठ – 20

('पवित्र हाथ' – मदर टेरेसा का आश्रय)

1. शब्दार्थ –: **(पृष्ठ सं0 104)**

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
शरणार्थी	–	....	मरणासन्न	–	....
तन्मयता	–	....	जीर्ण–शीर्ण	–	....
श्रद्धापूर्वक	–	....	आवंछित	–	....
साक्षात्	–	....	पुनवार्स	–	....
अपाहिज	–	....	आत्मनिर्भरता	–	....
समर्पित	–	....	विभूषित	–	....

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(पृष्ठ सं077)**

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''ओह! अभी नहीं, अभी मेरे हाथ साफ़ नहीं है।'' कैनेडी ने भावविह्वल होकर उनके हाथ अपने हाथ में ले लिए और कहा,''नहीं, नहीं, इन्हें गंदे कहकर इनका अपमान मत कीजिए।''

क. किसके हाथ साफ़ नहीं थे।

उ0 ....

....

ख. वे क्या कार्य कर रही थीं?

उ0 ....

....

....

ग. कैनेडी को उनके हाथ गंदे क्यों नही लगे?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. कैनेडी कौन थे?

उ0 ....

....

....

<u>प्रत्यास्मरण</u>

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं0105)**

क. मदर टेरेसा का जन्म कब और कहाँ हुआ?

उ0 ....

....

....

....

....

ख. 'शिशु सदन' की स्थापना क्यों की गई?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. रोगियों के पुनर्वास के लिए मदर ने क्या–क्या कार्य किए?

उ0 ....

....

....

....

....

घ. मदर टेरेसा ने इस संसार को क्या संदेश दिया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ङ. सरकार ने उन्हें कैसे सम्मानित किया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

2. 'माँ टेरेसा' पर लगभग 100 शब्दों का एक अनुच्छेद लिखिए।

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....